चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखण्ड, देहरादून

(धनराशि लाख में)

आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2023–24

क्र0सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2022 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2023 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2023–24	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
निदेशन तथा प्रशासन									
1	निदेशन तथा प्रशासन	''सभी के लिए स्वास्थ्य'' विजन पूर्ण करने हेतु मानव संसाधन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था, औषधि व्यवस्था एवं लोक निजी सहभागिता के द्वारा सुविधा उपलब्ध कराना।	2982.00	00	कार्यरत मानव संसाधनः– •श्रेणी–क–695 •श्रेणी–ख–1597 •श्रेणी–ग–4943 • श्रेणी–घ–265	कार्यरत मानव संसाधनः– •श्रेणी–क–695 •श्रेणी–ख–1597 •श्रेणी–ग–4943 • श्रेणी–घ–265	प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं का उचित कार्यान्वयन एवं सुदृढ प्रशासनिक नियन्त्रण तथा चिकित्सक रोगी अनुपात में सुधार	राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ एवं आसान बनाना तथा सभी के लिए स्वास्थ्य विजन को प्राप्त करना	2023–24
अस्पताल तथा औषधालय									
2	चिकित्सालयों की स्थापना एवं लोक स्वास्थ्य	प्रदेश के आम जनमानस हेतु उचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना।	28878950.45		1. उपकेन्द्र– 1896 2. प्रा0स्वा0के0 टाईप–ए– 525 3. प्रा0स्वा0के0 टाईप–बी–52 4. सामु0स्वा0के0–79 5. उपजिला चिकि0–21 6. जिला चिकित्सालय–13 7. अन्य चिकित्सा ईकाई–25	1. उपकेन्द्र– 1896 2. प्रा0स्वा0के0 टाईप–ए–525 3. प्रा0स्वा0के0 टाईप–बी–52 4. सामु0स्वा0के0–79 5. उपजिला चिकि0–21 6. जिला चिकित्सालय–13 7. अन्य चिकित्सा ईकाई–25	प्रदेश के समस्त नागरिकों को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु में कमी आयेगी।	प्रदेश के समस्त नागरिकों को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु में कमी आयेगी।	2023–24
निर्माण									
3	निर्माण कार्य	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वसुलभ/सुदृढ बनाने हेतु चिकित्सालयों/कार्यालयों का निर्माण करना।	00	4350.12	1. शव विच्छेदन गृहों का निर्माण–0 2. ब्लड बैंक/आई.सी.यू.– 0 3. आवासीय भवनों का निर्माण– 07 4. अनावासीय भवनों का निर्माण–09 5. बेस चिकित्सालयों का	1. शव विच्छेदन गृहों का निर्माण–0 2. ब्लड बैंक/आई.सी.यू.–01 3. आवासीय भवनों का निर्माण– 12 4. अनावासीय भवनों का निर्माण–05	प्रदेश के समस्त नागरिकों को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु में कमी आयेगी।	प्रदेश के समस्त नागरिकों को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु में कमी आयेगी।	2023–24

					निर्माण– 03 6. मानसिक चिकि0 का निर्माण–01 7. प्रा0स्वा0केन्द्र का निर्माण–04 8. सामु0स्वा0केन्द्र निर्माण–01 9. रा0एलो0चिकि0 का निर्माण–01	5. बेस चिकित्सालयों का निर्माण– 05 6. मानसिक चिकि0 का निर्माण–01 7. प्रा0स्वा0केन्द्र का निर्माण–04 8. सामु0स्वा0केन्द्र निर्माण–02 9. रा0एलो0चिकि0 का निर्माण–01			
सूचना संचार शिक्षा									
4	लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण योजनाएं एवं उनका प्रचार–प्रसार	"सभी के लिए स्वास्थ्य" विषयक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सूचना शिक्षा एवं संचार रणनीति का क्रियान्वयन।	80.01	00	विभिन्न माध्यमों यथा–रेडियो, टीवी, **Hordings, Buspanel**, प्रिन्टिंग सामग्री, **DisplayBoard, Translites, Posters, Handbills** के माध्यम से लोक स्वास्थ्य से सम्बन्धित राष्टीय कार्यक्रमों से सम्बन्धित संदेशों को प्रचारित–प्रसारित किया गया।	विभिन्न माध्यमों यथा–रेडियो, टीवी, **Hordings, Buspanel**, प्रिन्टिंग सामग्री, **DisplayBoard, Translites, Posters, Handbills** के माध्यम से लोक स्वास्थ्य से सम्बन्धित राष्टीय कार्यक्रमों से सम्बन्धित संदेशों को प्रचारित–प्रसारित किया जाएगा।	महानिदेशालय स्तर पर कार्यशील आई0ई0सी0 सैल द्वारा विभिन्न माध्यमों से प्रचार–प्रसार किया जाना।	लोक स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों से प्रदेश मे बृहद स्तर पर जागरूकता उत्पन्न होगी एवं स्वास्थ्य योजनाओं को प्राप्त करने के लिए मांग सृजित होगी।	2023–24
लोक निजी सहभागिता									
5	लोक निजी सहभागिता (पी0पी0पी0)	पर्वतीय/दूर–दराज/असेवित क्षेत्रों में विशेषज्ञ/आपातकालीन एवं हृदय रोग से सम्बन्धित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	2460.00	00	02 नेफ्रो डायलिसिस सेंटरों (बेस चिकि0 हल्द्वानी एवं कोरोनेशन देहरादून) में:– कुल–43244 डायलिसिस, (18491 BPL मरीज) तथा 02 कार्डियेक केयर सेंटर (एल0डी0भट्ट चिकि0 काशीपुर/कोरोनेशन देहरादून) में कुल ओ0पी0डी0–1732 कुल सर्जरी–747	02 नेफ्रो डायलिसिस सेंटरों (बेस चिकि0 हल्द्वानी एवं कोरोनेशन देहरादून) में:– कुल–42081 डायलिसिस (12527 BPL मरीज) तथा 02 कार्डियेक केयर सेंटर (एल0डी0भट्ट चिकि0 काशीपुर/कोरोनेशन देहरादून) में कुल ओ0पी0डी0–13203 कुल सर्जरी–79	02 नेफ्रो डायलिसिस सेंटरों (बेस चिकि0 हल्द्वानी एवं कोरोनेशन देहरादून) में:– कुल–42081 डायलिसिस (12527 BPL मरीज) तथा 02 कार्डियेक केयर सेंटर (एल0डी0भट्ट चिकि0 काशीपुर/कोरोनेशन देहरादून) में कुल ओ0पी0डी0–13203 कुल सर्जरी–79	1–राज्य में तृतीय स्तर की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कराना। 2– प्रदेश से बाहर जाने वाले रैफरल केसों में कमी लाना। 3– मरीजों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम करना। 4.राज्य में उच्च स्तरीय नेफ्रोलॉजी सेवाएं उपलब्ध	2023–24

								कराना।	
तीर्थ यात्रा/मेले/दैवीय आपदा									
6	तीर्थ यात्रा/मेले/दैवीय आपदा	तीर्थ यात्रियों को यात्राकाल में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं हेतु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना	181.02	00	कोविड–19 के कारण 2020–21 एवं 2021–22 में चार धाम/विभिन्न मेलों/कैलाश मानसरोवर यात्रा आदि बाधित रही।	चार धाम/विभिन्न मेलों/कैलाश मानसरोवर यात्रा आदि के समस्त अस्वस्थ्य तीर्थयात्रियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य।	चार धाम यात्रा/कैलाश मानसरोवर यात्रा/मेले/दैवीय आपदा में उचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी।	प्रदेश में तीर्थ यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी।	2023–24
राज्य व्याधि निधि									
7	राज्य व्याधि सहायता निधि	राज्य के बी0पी0एल0 श्रेणी के परिवारों को चिन्हित घातक रोगों के उपचार/विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा हेतु रु0 1,50,000/– तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना।	50.01	00	वित्तीय वर्ष 2005–06 से 1 अप्रैल, 2022 तक की स्थिति– बे0पी0एल0 लाभार्थियों की संख्या–1043 आर्थिक सहायता की धनराशि–रु0 12,83,91,175/–	वित्तीय वर्ष 2005–06 से 1 अप्रैल, 2022 तक की स्थिति– बे0पी0एल0 लाभार्थियों की संख्या–1044 आर्थिक सहायता की धनराशि–रु0 12,85,41,175/–	बी0पी0एल0 रोगियों का धनाभाव के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़ेगा एवं उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा।	बी0पी0एल0 रोगियों का धनाभाव के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़ेगा एवं उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा।	2023–24
परिवार कल्याण									
8	परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं का संचालन	केन्द्र सरकार द्वारा चलाई गयी योजनाओं को सुदृढीकृत किये जाने हेतु विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जाना।	19307.45	00	नसबंदी – 226 (पुरुष) – 10782 (महिला) कॉपरटी– 34518 ओरलपिल्स वितरित– 24960 निरोध प्रयोगकर्ता–47639 गर्भ निरोधक टीका (अन्तरा)–8991	नसबंदी – 215 (पुरुष) – 9897 (महिला) कॉपरटी– 35049 ओरलपिल्स वितरित– 39771 निरोध प्रयोगकर्ता– 52687 गर्भ निरोधक टीका (अन्तरा)–10836	जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण यौनजनित रोगों के प्रसार पर नियन्त्रण	जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण यौनजनित रोगों के प्रसार पर नियन्त्रण	2023–24
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (90 प्रतिशत केन्द्रांश एवं 10 प्रतिशत राज्यांश)									

9	प्रतिरक्षण एवं पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम	2030 तक 05 वर्ष तक के बच्चों को बीमारियां से प्रतिरक्षण प्रदान कर मृत्यु दर में कमी लाना।	85927.08	00	BCG- 175965 Pentavalent (1+2+3)- 513861 Polio (OPV 0+1+2+3)- 656644 (IPV 1+2)- 340415 Measle & Rubella (MR 1+2)-235338 TD (10+16)- 170343 DPT (Booster) – 158641 PCV (1+2) - 190264 Hepatitis B - 128823 Rotavirus (1+2+3) - 509122 प्रतिरक्षण कवरेज–96%	BCG- 176197 Pentavalent (1+2+3)- 519138 Polio (OPV 0+1+2+3)- 668906 (IPV 1+2+3)- 354828 Measle & Rubella (MR 1+2)- 349848 TD (10+16)- 317542 DPT (Booster) – 167375 PCV (1+2) - 330898 Hepatitis B - 125491 Rotavirus (1+2+3) - 515984 प्रतिरक्षण कवरेज–96%	BCG- 176197 Pentavalent (1+2+3)- 519138 Polio (OPV 0+1+2+3)- 668906 (IPV 1+2+3)- 354828 Measle & Rubella (MR 1+2)-349848 TD (10+16)- 317542 DPT (Booster) – 167375 PCV (1+2) - 330898 Hepatitis B - 125491 Rotavirus (1+2+3) - 515984 प्रतिरक्षण कवरेज–96%	शिशु–मृत्यु दर–17/1000 5 वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु दर–26/1000 प्रतिरक्षण कवरेज–96%	2030–31
9(1)	राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम	क्षय रोगियों की पहचान, निदान एवं उपचार करना।			टी0बी0 रोगियों की सफलता दर–86 प्रतिशत	नये बलगम धनात्मक रोगियों में क्योर दर–90 प्रतिशत	नये बलगम धनात्मक रोगियों में क्योर दर–90 प्रतिशत	1) टी0बी0 नोटिफिकेशन लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त करना 2) सफलता दर में 90 प्रतिशत तक सुधार लाना	2023–24

9(2)	राष्ट्रीय कुष्ट उन्मूलन कार्यक्रम	कुष्ट रोग की व्यापकता दर प्रत्येक जनपद स्तर पर प्रति 10000 जनसंख्या पर 1 या 1 से कम करना।			नये खोजे गये रोगी–291 रोगमुक्त रोगी–265 उपचाराधीन रोगी–273 `जटिल एवं रिएक्शन उपचारित रोगी–32	नये खोजे गये रोगी–344 रोगमुक्त रोगी–324 उपचाराधीन रोगी–311 `जटिल एवं रिएक्शन उपचारित रोगी–35	व्यापकता दर–0.25 / 10000 ए0एन0सी0डी0आर0–<2.53 / 100000 जनसंख्या डिफारमिटी प्रतिशत–<2 महिला प्रतिशत–<35% चाइल्ड प्रतिशत–0.68% एम0बी0 रोगी– >95%	व्यापकता दर–0.25 / 10000 ए0एन0सी0डी0आर0–<2.53 / 100000 जनसंख्या डिफारमिटी प्रतिशत–<2 महिला प्रतिशत–<35% चाइल्ड प्रतिशत–0.68% एम0बी0 रोगी–>95%	2023–24
9(3)	राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम	दृष्टिविहीनता की व्यापक्ता दर को 2020 तक 0.3 प्रतिशत लाना।			मोतियाबिन्द के ऑपरेशन–44332स्कूली छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण–4318वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क चश्मा वितरण–4446	मोतियाबिन्द के ऑपरेशन–56902स्कूल छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण–3983वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क चश्मा वितरण–4006	नेत्र से सम्बन्धित रोगों को उपचार प्रदान कर राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता दर को 0.3 प्रतिशत तक लाना।	भारत वर्ष में दृष्टिविहीनता की व्यापकता को 0.3 प्रतिशत लाना	2023–24
9(4)	राष्ट्रीय जीवाणु जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम	1) वार्षिक पैरासाईट इनसीडेन्स दर प्रति 1000 जनसंख्या में 1 से कम करना। 2) डेंगू की व्यापकता दर को शून्य बनाए रखना।			–मलेरिया–19 केस –जापानी इनसिफैलाईटिस–07 –डेगू–2337 केस उपचारित –राज्य का वार्षिक पैरासाईट दर–(API)- 0.0018 व्यापक प्रचार प्रसार कीटनाशक फॉगिंग, स्प्रे एवं छिड़काव	–मलेरिया–01 केस –जापानी इनसिफैलाईटिस–00 –डेगू–0 केस उपचारित –राज्य का वार्षिक पैरासाईट दर–(API)-0.00 व्यापक प्रचार प्रसार कीटनाशक फॉगिंग, स्प्रे एवं छिड़काव	1) वार्षिक पैरासाईट इनसीडेन्स दर प्रति 1000 जनसंख्या में 1 से कम करना। 2) डेंगू की व्यापकता दर को शून्य करना।	जीवाणु जनित रोगों के बारे में व्यापक प्रचार–प्रसार करके जनमानस को जागरुक करना तथा कीटनाशक फॉगिंग एवं छिड़काव के माध्यम से जीवाणु जनित रोगों की व्यापकता दर को शुन्य करना।	2023–24
9(5)	मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम	1. मातृ मृत्यु अनुपात में कमी लाना 2. जननी सुरक्षा योजना (JSY) के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव में वृद्धि करना			JSY के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–90571 मातृ–मृत्यु दर–99 / 100000	JSY के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–95000 मातृ–मृत्यु दर–101 / 100000	जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–95000 मातृ–मृत्यु दर–101 / 100000	जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–90571 मातृ–मृत्यु दर–101 / 100000	2023–24
9(6)	शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम	शिशु मृत्यु दर तथा 5 वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाना			26 / 1000 जीवित जन्म	मातृ–मृत्यु दर–99 / 100000	मातृ–मृत्यु दर–99 / 100000	मातृ–मृत्यु दर–99 / 100000	2030–31

9(7)	**NPCDCS (National Programme for Control of Diabetise, Cancer and Stroke)**	जीवन–शैली तथा आचरण परिर्वतन द्वारा गैर संचारी रोगो की रोकथाम, निदान तथा ईलाज के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का विभिन्न स्तरों पर सुदृढीकरण करना।			जिला वैलनेस सेन्टर मेंः– ओ0पी0डी0–690700 मधुमेह रोग ग्रसित–53877 उच्च रक्तचाप रोगी–73302	ओ0पी0डी0–619044 मधुमेह रोग ग्रसित–76337 उच्च रक्तचाप रोगी–97837 मुंह का कैंसर ग्रसित–5950	गैर संचारी रोगों से ग्रसित नागरिकों को उचित परामर्श एवं सन्दर्भण की सुविधा प्रदान की जा रही है तथा आम जनमानस में गैर संचारी रोगों से बचाव हेतु जागरुकता प्रदान की जा रही है।	प्रदेश के नागरिको में गैर संचारी रोगों के प्रति जागरुकता का प्रसार होगा तथा उक्त से बचाव हेतु स्वस्थ जीवन शैली तथा आचरण अपनाने की संस्कृति का विकास होगा, जिससे नागरिक स्वस्थ्य होगे।	2023–24
9(8)	**NTCP (National Tobaco Control Programme)**	तम्बाकू सेवन को कम करना			**Cigaratte and Other Tobacco Act (**कोटपा**),** 2003 के अन्तर्गत कुल चालान– 18041 कुल एकत्रित धनराशि–रु0 1188260/– तम्बाकू नशा उन्मूलन केन्द्र में कुल 12015 व्यक्तियों को परामर्श दिया गया। कुल 4997 व्यक्तियों को निकोटेक्स चुइंगम वितरित किये गये। कुल 1037 **School Awareness Programme** आयोजित	दिसम्बर, 2019 तक की स्थितिः– कोटपा, 2003 के अन्तर्गत कुल चालान–37010 कुल एकत्रित धनराशि–रु0 2764455/– तम्बाकू नशा उन्मूलन केन्द्र में कुल 54595 व्यक्तियों को परामर्श दिया गया। कुल 2384 व्यक्तियों को निकोटेक्स चुइंगम वितरित किये गये।	कोटपा, 2003 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ–साथ तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुकता प्रदान की जा रही है।	तम्बाकू के सेवन के दुष्प्रभावों की जानकारी प्राप्त होने से तम्बाकू सेवन पर अंकुश लगाया जा सकेगा, जिससे तम्बाकू से होने वाली गम्भीर बीमारियों जैसे कैंसर के खतरे को कम किया जा सकेगा।	2023–24
9(9)	**NPPCD**	चोट अथवा बीमारी के कारण श्रवण ह्रास की रोकथाम। बीमारी की शीघ्र पहचान, निदान व उपचार।			बहरेपन का परीक्षण–12210 व्यक्ति बधिरता हेतु सर्जरी–160 व्यक्ति	बहरेपन का परीक्षण–12281 व्यक्ति बधिरता हेतु सर्जरी–148 व्यक्ति	चोट अथवा बीमारी के कारण श्रावण ह्रास से ग्रसित सभी वर्ग के व्यक्तियों को पुनर्वास की सुविधा प्रदान की जा रही है।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2023–24
9(10)	**NPHCE**	प्रारम्भिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को सुगमता पूर्वक उनकी समस्याओं का निदान, उनकी रोकथाम तथा पुर्नवास सेवाएं प्रदान करना।			राज्य के अन्तर्गत 13 जनपदों में 10 बेड के Geriatic ward की स्थापना की गयी है।Geriatic क्लीनिक में 35400 वरिष्ठ नागरिकों को ओ0पी0डी0 तथा 3006 वृद्ध नागरिकों को आइ0पी0डी0 की सेवायें प्रदान की गयी हैं।	Geriatic क्लीनिक में 102439 वरिष्ठ नागरिकों को ओ0पी0डी0 तथा 11724 वृद्ध नागरिकों को आइ0पी0डी0 की सेवायें प्रदान की गयी हैं।	राज्य के वरिष्ठ नागरिकां को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2023–24

9(11)	**NMHP**	मानसिक रोग से ग्रसित रोगियों की पहचान कर उपचार प्रदान करना।			23026 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की गयी।	कुल 13498 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।	मानसिक रोगियों को उचित उपचार प्रदान किया जा रहा हे।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2023–24
9(12)	**NOHP**	ओरल हैल्थ की सेवाओं का सुदृणीकरण।			13932 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की गयी।	दिसम्बर, 2022 तक की स्थितिः– 2 जनपदों के एक डेंटल यूनिट का सुदृढ़ीकरण किया गया है। दिसंबर 2022 तक कुल 27504 रोगियों रोगियों को दंत एवं मुख से संबंधित रोगों का उपचार प्रदान किया गया ।	प्रदेश के नागरिकों को दन्त एवं मुख से सम्बन्धित रोगों के सम्बन्ध में जागरुकता प्राप्त होगी तथा ओरल रोगों का उपचार प्राप्त होगा। 8 जनपदों के डेंटल यूनिट का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा ।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2023–24
9(13)	**NPCB**	भारत वर्ष में दृष्टिविहीनता की व्यापकता को 0.3 प्रतिशत लाना			मोतियाबिन्द के ऑपरेशन–44332 स्कूली छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण–4318 वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क चश्मा वितरण–4446	मोतियाबिन्द के ऑपरेशन–56902 स्कूल छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण–3983 वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क चश्मा वितरण–4006	नेत्र से सम्बन्धित रोगों को उपचार प्रदान कर राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता दर को 0.3 प्रतिशत तक लाना।	भारत वर्ष में दृष्टिविहीनता की व्यापकता को 0.3 प्रतिशत लाना	2023–24
9(14)	प्रधान मन्त्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम **(PMNDP)**	प्रदेश में संचालित कुल 18 डायलिसिस केंद्रों ; बेस अस्पताल, अल्मोडा, जिला अस्पताल, बागेश्वर, ट्रामा सेंटर कर्णप्रयाग, चमोली, जिला अस्पताल, चंपावत, कोरोनेशन अस्पताल, देहरादून, मेला अस्पताल, हरिद्वार, संयुक्त अस्पताल, रुडकी, हरिद्वार, बेस अस्पताल, हल्द्वानी, नैनीताल, जी0बी0पंत अस्पताल, नैनीताल, श्रीनगर मेडिकल कॉलेज, पौडी गढवाल, बेस अस्पताल, काटद्वार, पौडी गढवाल, जिला अस्पताल, पिथौरागढ, जिला अस्पताल, रुद्रप्रयाग, उप जिला अस्पताल, नरेंद्रनगर, टिहरी गढवाल, जिला अस्पताल, रुद्रपुर, उधम सिंह नगर, उप			दिं0 01 अप्रैल, 2022 तक कुल 555 रोगियों के 66698 डायलिसिस सेशन किये गये।	वित्तीय वर्ष 2022–23 में माह दिसम्बर तक कुल 671 नये रोगियों को पंजीकृत किया गया तथा कुल 64699 डायलिसिस सेशन किये गये हैं।	प्रदेश के नागरिकों को न्यूनतम दरों पर डायलिसिस सेवा प्राप्त होगी।	प्रदेश के नागरिकों को न्यूनतम दरों पर डायलिसिस सेवा प्राप्त होगी।	2023–24

		जिला अस्पताल, खटीमा, उधम सिंह नगर, जिला अस्पताल, उत्तरकाशी, जिला अस्पताल, पौडी गढवाल में निःशुल्क व न्यूनतम दरों में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराना।							
9(15)	टेलीरेडियोलॉजी	राज्य की कुल 35 चिन्हित चिकित्सा इकाई में टेलीरेडियोलॉजी सेवा उपलब्ध कराया जाना।			एक्स–रे– 32974 सी0टी0 स्कैन– 3772 एम0आर0आई0–240	एक्स–रे– 60000 सी0टी0 स्कैन– 10500 एम0आर0आई0–270	एक्स–रे– 60000 सी0टी0 स्कैन– 10500 एम0आर0आई0–270	एक्स–रे– 60000 सी0टी0 स्कैन– 10500 एम0आर0आई0–270	2023–24
9(16)	हिमोग्लोबीनोपैथी कार्यक्रम	रक्त विकार/ हिमोग्लोबीनोपैथी हेतु प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर में रोकथाम, नियत्रंण एवं जागरूकता अभियान संचालित करना।			चार जनपदों (देहरादून/हरिद्वार/अल्मोड़ा /नैनीताल) में स्थित डी0आई0सी0 केन्द्रों में कुल 24351 छात्र/छात्राओं की थैलेसीमिया जांच करवाई गयी तथा282 थैलेसीमिया रोग से ग्रसित बीमार बच्चों को निशुल्क रक्त संचरण करवाया गया।	चार जनपदों (देहरादून/हरिद्वार/अल्मोड़ा/नैनीताल) में स्थित डी0आई0सी0 केन्द्रों में कुल 44282 छात्र/छात्राओं की थैलेसीमिया जांच करवाई गयी तथा290 थैलेसीमिया रोग से ग्रसित बीमार बच्चों को निशुल्क रक्त संचरण करवाया गया।	चार जनपदों (देहरादून/हरिद्वार/अल्मोड़ा/नैनीताल) में स्थित डी0आई0सी0 केन्द्रों में कुल 88888 छात्र/छात्राओं की थैलेसीमिया जांच तथा 300 थैलेसीमिया रोग से ग्रसित बीमार बच्चों को निशुल्क रक्त संचरण करवाया जाना प्रस्तावित है।	प्रदेश में रक्त विकार/हीमोग्लोबीनोपैथी/थैलेसीमिया के बारे में जन मानस को जागरुक कर रोकथाम किया जा सके।	2023–24

9(17)	इन्टेग्रेटिड डीजिज सर्विलेन्स प्रोग्राम	• सिन्ड्रोमिक रिर्पोटिग (S Form), प्रिसम्पटिव रिपोर्टिंग (P Form), लैब कन्फर्म्ड रिपोर्टिंग (L Form) > 80% • एपिडेमिक संवेदनशील रोगो की जांच हेतु जिला पब्लिक हैल्थ लैब का सुदृढीकरण			S form- 99% P form- 99% L form- 99% 12	S form- 97% P form- 96% L form- 98% 13	समस्त चिन्हित रिपोर्टिंग यूनिटों का अनुश्रवण सभी जनपदों में पब्लिक हेल्थ लैब का सुदृढीकरण किया जा चुका है।	रिपोर्टिंग के अन्तर्गत सभी रिपोर्टिंग को 95 प्रतिशत से अधिक बनाये रखना सभी जनपदों में पब्लिक हेल्थ लैब में एपिडेमिक संवेदनशील रोगों की जाच की जानी है।	2023–24
					एड्स नियन्त्रण समिति				
10	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम	उत्तराखण्ड राज्य को एच. आई.वी. के नये संक्रमण से वर्ष 2030 तक शून्य करना एवं एड्स से ग्रसित व्यक्तियों को चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराना।	118.00	00	एड्स रोगी–1044 उपचाराधीन रोगी–1026	एड्स रोगी–1928 उपचाराधीन रोगी–1883	नये रोगियों की संख्या–0 उपचाराधीन रोगी–100 प्रतिशत	नये रोगियों की संख्या–0 उपचाराधीन रोगी–100 प्रतिशत	2030–31
					राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण				
11	अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना	प्रदेश के चिन्हित परिवारों को चिकित्सा लाभा उपलब्ध कराना।	40000.00	00	आयुष्मान कार्ड–4656518 लाभार्थियां की संख्या–455009 कुल व्यय धनराशि– ` 390 करोड़	गोल्डन कार्ड–5020000 लाभार्थियां की संख्या–713697 कुल व्यय धनराशि– ` 461 करोड़	प्रदेश के समस्त नागरिकों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त किया जा सकेगा।	2023–24
					हेल्थ सिस्टम				
12	हेल्थ सिस्टम डेवलपमेन्ट प्रोजेक्ट	उत्तराखण्ड के दूरस्थ एवं असेवित क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना एवं राज्य की जनता स्वास्थ्य कारणों से होने वाले व्यय को कम करना।	15091.86	00	ाल्य चिकित्सा–3898 सिजेरियन– 640 सी0टी0 स्कैन–810 अल्ट्रासाउण्ड–1163	ाल्य चिकित्सा–2975 सिजेरियन– 683 सी0टी0 स्कैन–1734 अल्ट्रासाउण्ड–3854	आम जनमानस को स्वास्थ्य लाभ देने हेतु रियायती दरों पर शल्य चिकित्सा, सिजेरियन, सी0टी0 स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड, पैथालॉजी जांच आदि की सुविधा उपलब्ध कराना।	उत्तराखण्ड के दूरस्थ एवं असेवित क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी एवं राज्य की जनता स्वास्थ्य कारणों से होने वाले व्यय कम होगा।	2023–24

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखण्ड, देहरादून					
सतत विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप					
क्र0सं0	**SDG** संकेतक	01 अप्रैल, 2022 की भौतिक स्थिति	31 मार्च 2023 की सम्भावित भौति स्थिति	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2023–24	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2023–24
1	एनेमिक गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत	62% (HMIS)	62% (HMIS)	65% (HMIS)	65% (HMIS)
2	राज्य में संस्थागत प्रसव	88% (HMIS)	92% (HMIS)	95% (HMIS)	95% (HMIS)
3	0 से 12 महीने के बच्चे जिनका पूर्ण प्रतिरक्षण हो चुका है	96%	96%	98%	98%
4	एम.एम.आर	99/100000	103/100000	103/100000	103/100000
5	एन.एम.आर.	17 (SRS-2020)	17 (SRS-2020)	12 by 2030	12
6	यू.5एम.आर.	26 (SRS-2020)	26 (SRS-2020)	25 by 2030	25